जनसत्ता
कोलकाता शुक्रवार 18 दिसंबर 2009 14 पेज रु. 3.00 कोलकाता, दिल्ली, चंडीगढ़, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित (डाक शनिवार 19 दि

कोरुगेटेड बॉक्स निर्माता संघ का 38वां सम्मेलन आज से

कोलकाता, 17 दिसंबर (जनसत्ता)। भारत में तरह-तरह उत्पादों के पैकिंग बॉक्स बनाने वाले कोरुगेटेड बॉक्स निर्माता संघ यानी फेडरेशन ऑफ कोरुगेटेड बॉक्स मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इंडिया (एफसीबीएम) का 38वां सम्मेलन शुक्रवार 18 दिसंबर से शहर के आईटीसी सोनार होटल में आरंभ हो रहा है, जिसमें देशभर से सात सौ से ज्यादा लोग हिस्सा लेंगे। इनमें एक सौ लोग विदेशों से आ रहे हैं। 18 से 20 दिसंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन में कोरुगेटेड बॉक्स की बिक्री में आ रही समस्याओं पर सेमिनार, तकनीकी सत्र और प्रदर्शनी आयोजित की गई है। यह जानकारी गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में एफसीबीएम के वर्तमान अध्यक्ष अनिल के रेड्डी व नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल ने पत्रकारों को दी। इस प्रेस कांफ्रेंस में ईस्टर्न इंडिया कोरुगेटेड बॉक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (ईआईजीएमए) के प्रमुख हेमंत सरावगी व भरत केड़िया भी उपस्थित थे।

एफसीबीएम के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि केंद्र सरकार उनके उत्पादों की बिक्री पर आठ प्रतिशत उत्पाद शुल्क लेती है, जबकि कोरुगेटेड बॉक्स बनाने के लिए जो पेपर वे खरीदते हैं उस पर चार प्रतिशत का शुल्क लगता है। उन्होंने कहा कि दोनों में एकरूपता होनी चाहिए। केंद्र सरकार को आठ फीसद उत्पाद शुल्क लेना बंद कर देना चाहिए। यह हमारे साथ अनुचित हो रहा है।

अनिल के रेड्डी ने बताया कि भारत में कोरुगेटेड बॉक्स का कारोबार सालाना 7,500 करोड़ का है। उन्होंने बताया कि उनके फेडरेशन के साथ दो हजार से ज्यादा लोग जुड़े हैं और इस उद्योग के साथ तीन लाख से ज्यादा कर्मचारी संलग्न हैं।

रेड्डी ने बताया कि एफसीबीएम का यह 38वां सम्मेलन कोलकाता में लंबे अर्से के बाद हो रहा है, जिसमें अनेक विद्वान तकनीकी सत्र में हिस्सा लेंगे।